



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

HB
26/7/88

सं. 407]
No. 407]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 27, 1988/श्रावण 5, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 27, 1988/SRAVANA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कामिक, लोक शिकायत तथा मंगल मंत्रालय

(कामिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1988

अधिसूचना

सा.का.नि. 815(अ).—केंद्रीय सरकार, अधिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करते के पश्चात्, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (उपेक्षा विनियमन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “काडर” से, काडर नियमों के नियम 3 के अनुसार गठित, भारतीय पुलिस सेवा काडर अभिप्रेत है;

(ख) “काडर नियमों” से, भारतीय पुलिस सेवा (काडर) नियम, 1954 अभिप्रेत है;

(ग) “काडर अनुसूची” से, भारतीय पुलिस सेवा (काडर संवर्धन संख्या का नियतन) विनियम, 1955 की अनुसूची अभिप्रेत है;

(घ) “आयोग” से, संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

(ङ) “प्रतियोगिता परीक्षा” से, भर्ती नियमों के नियम 7 में निर्दिष्ट परीक्षा अभिप्रेत है;

(च) “सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त अधिकारी” से, भर्ती नियमों के नियम 7 के अनुसार प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से सेवा में नियुक्त, अधिकारी अभिप्रेत है;

(छ) “पदक्रम सूची” से, इन नियमों के नियम 5 के अन्तर्गत तैयार की गई, पदक्रम सूची अभिप्रेत है;

(ज) “अधिकारी” से, सेवा का संदर्भ अभिप्रेत है;

(झ) “प्रोन्नत अधिकारी” से, भारतीय पुलिस सेवा (प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के उपखण्डों के अन्तर्गत सेवा में नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है;

- (ख) "भर्ती नियमों" से, भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 अभिप्रेत है;
- (ट) "चयन सूची" से, भारतीय पुलिस सेवा (प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार तैयार की गई चयन सूची अभिप्रेत है;
- (ड) "सेवा" से भारतीय पुलिस सेवा अभिप्रेत है;
- (झ) "राज्य काउटर" और "संयुक्त काउटर" के क्रमशः वही अर्थ हैं, जो उन्हें काउटर नियमों में दिए गए हैं;
- (ञ) "संयुक्त काउटर" के संबंध में "संयुक्त राज्य सरकार" से संयुक्त काउटर प्राधिकारी अभिप्रेत है।

3. आबंटन वर्ष का समानुदेशन :

- (1) प्रत्येक अधिकारी को, ऐसे उपबंधों के, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् इन नियमों में अन्तर्निहित किया गया है, अनुसार आबंटन वर्ष समनुदिष्ट किया जाएगा।
- (2) इन नियमों के प्रारंभ पर सेवा में किसी अधिकारी का आबंटन वर्ष वही होगा, जो उसे समनुदिष्ट किया गया है या जो इन नियमों के प्रारंभ से ठीक पूर्व प्रवृत्त नियमों, आदेशों और अनुदेशों के अनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे समनुदिष्ट किया जाए।
- (3) इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् सेवा में नियुक्त किसी अधिकारी का आबंटन वर्ष निम्नलिखित होगा :—
- (i) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी का आबंटन वर्ष वह वर्ष होगा, जो उस वर्ष के बाद आए, जिसमें प्रतियोगिता परीक्षा हुई थी :

परन्तु भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 21 के खंड (ड) में यथापरिभाषित छूट प्राप्त परीक्षार्थीयों और सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त ऐसे अधिकारियों की दशा में जिन्हें भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 5 के उपनियम (1) के अधीन परीक्षापूर्व आबंटन वर्ष के सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों के साथ परिवीक्षा प्रशिक्षण ग्रहण करने को अनुज्ञात किया गया है, उन्हें वही परीक्षापूर्व वर्ष आबंटन वर्ष के रूप में समनुदेशित किया जाएगा।

- (2) किसी प्रोन्नत अधिकारी का आबंटन वर्ष निम्नलिखित रूप से काल्पनिक किया जाएगा :—

(क) राज्य पुलिस सेवा में उस पंक्ति में, जो पुलिस उप अधीक्षक या समतुल्य से नीचे की न हो, बारह वर्ष तक की सेवा के लिए उसे आबंटन वर्ष के नियमानुसार बारह वर्ष तक की वरीयता दी जाएगी;

(ख) उसे, अधिक से अधिक पांच वर्ष की वरीयता के अधीन रहते हुए, उपखंड (क) में निर्दिष्ट बारह वर्ष की अवधि से अधिक प्रत्येक तीन वर्ष की पूरी की गई सेवा के लिए एक वर्ष की वरीयता दी जाएगी। इसकी गणना करने में निश्चय को नहीं किया जाएगा।

(ग) उपखंड (ख) में वर्णित वरीयता की गणना उस वर्ष से की जाएगी, जिसमें वह अधिकारी सेवा में नियुक्त किया जाता है :

परन्तु उसे उस चयन सूची में उसके ज्येष्ठ अधिकारी का या किसी पूर्ववर्ती चयन सूची के आधार पर सेवा में

नियुक्त अधिकारी को समनुदेशित आबंटन वर्ष से पहले कोई आबंटन वर्ष समनुदेशित नहीं किया जाएगा।

4. अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता :—ऐसे अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता जिन्हें आबंटन का एक ही वर्ष समनुदिष्ट किया गया है निम्नलिखित क्रम में होगी और प्रत्येक प्रकीर्ण में पारस्परिक ज्येष्ठता निम्नलिखित रीति में अवधारित की जाएगी।

- (i) सीधी भर्ती किए गए अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 10 के अनुसार बना अवधारित गुणावगुण के क्रम में परस्पर रैंक में रखा जाएगा,

- (ii) प्रोन्नत अधिकारियों को सेवा में अपनी नियुक्ति की तारीखों के क्रम में परस्पर रैंक में रखा जाएगा :

यद्यपि यदि एक से अधिक अधिकारियों की नियुक्ति की तारीख एक ही है, तो उनकी पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में होगी जिसमें उनके नाम सेवा में नियुक्ति की तारीख की चयन सूची में क्रमबद्ध किए गए हैं।

5. अर्थव्यवस्था सूची :

प्रत्येक राज्य काउटर और संयुक्त काउटर के लिए प्रति वर्ष एक योजना-करण सूची तैयार की जाएगी, जिसमें उस काउटर के सभी अधिकारियों के नाम ज्येष्ठता के क्रम में क्रमबद्ध किए जाएंगे।

6. किसी अन्य काउटर को अन्तर्गत अधिकारियों की ज्येष्ठता का निर्धारण :

- (1) यदि कोई संकेत भर्ती किया गया अधिकारी एक काउटर से किसी अन्य काउटर को सौकृति में अन्तर्गत किया जाता है तो उसका आबंटन वर्ष अवधारित रहेगा और उस काउटर में जिसमें उसे अन्तर्गत किया जाता है, एक ही आबंटन वर्ष उसे सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों के बीच उनकी पारस्परिक ज्येष्ठता वही रहेगी, जो भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 10 के अनुसार अवधारित की गई है,

- (2) यदि कोई प्रोन्नत अधिकारी सौकृति में एक काउटर से किसी अन्य काउटर में अन्तर्गत किया जाता है तो उसका आबंटन वर्ष अवधारित रहेगा और वह उस काउटर में उसी आबंटन वर्ष वाले यथास्थिति प्रोन्नत अधिकारियों के साथ परस्पर रैंक में रहेगा, जिस काउटर में वह उस तारीख के प्रतिनिर्देश से अन्तर्गत किया गया है, जिसके आधार पर वह इन नियमों के अधीन आबंटन वर्ष समनुदिष्ट किया गया था।

- (3) यदि किसी अधिकारी को उनमें अग्रोप पर एक काउटर से किसी अन्य काउटर में अन्तर्गत किया जाता है तो उस काउटर की, जिसमें उसे अन्तर्गत किया जाता है वेगोकर सूची में उस काउटर में उसके प्रवर्ग के सभी अधिकारियों के, जिसका आबंटन वर्ष वही है, नीचे उसे स्थान सन्निहित किया जाएगा।

परन्तु किसी सीधे भर्ती किए गए अधिकारी के प्राग-अनुसंधे पर एक काउटर से किसी अन्य काउटर में स्थानान्तरण का दशा में, भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 10 के अधीन तैयार की गई सूची में उसकी ज्येष्ठता उस सूची के प्रवर्गों के लिए अवधारित रहेगी।

7. निर्वाचन :

इन नियमों के निर्वाचन के संबंध में कोई प्रश्न उठने पर उसे विनिश्चय के लिये केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा।

8. निरसन और व्यावृत्ति :

(1) भारतीय पुलिस सेवा (ज्येष्ठता विनियमन) नियम, 1954 और उक्त नियमों के कल्याणी सभी अन्य नियमों को, जो इन नियमों के प्रारंभ से ठीक पहले प्रवृत्त हैं, एतद्वारा निरसित किया जाता है।

(2) इन नियमों के प्रवृत्त होने से पहले सेवा में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता, सेवा में उनकी नियुक्ति की तारीख को प्रवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (ज्येष्ठता विनियमन) नियम, 1954 के अनुसार व्यवस्था की जाएगी :

परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई, इन नियमों के कल्याणी संबंधों के अधीन किया गया या की गई समझी जाएगी।

[सं. 14014/40/88-प्र.आ.से. (1)]

डी.पी. बायबी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 27th July, 1988

NOTIFICATION

GSR No. 815 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of States concerned, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires ;

- (a) 'Cadre' means the Indian Police Service Cadre constituted in accordance with rule 3 of the Cadre Rules ;
- (b) 'Cadre Rules' means the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954 ;
- (c) 'Cadre Schedule' means the Schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 ;
- (d) 'Commission' means the Union Public Service Commission ;
- (e) 'Competitive examination' means the examination referred to in rule 1 of the Recruitment Rules ;
- (f) 'direct recruit officer' means an officer appointed to the service through a competitive examination in accordance with rule 7 of the Recruitment Rules ;

(g) 'gradation list' means the gradation list prepared under rule 5 of these rules ;

(h) 'officer' means a member of the Service ;

(i) 'Promotee officer' means an officer appointed to the service in accordance with the provisions of the Indian Police Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955 ;

(j) 'Recruitment Rules' means the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954 ;

(k) 'Select List' means the Select List prepared in accordance with the Indian Police Service (Appointment by promotion) Regulations, 1955 ;

(l) 'Service' means the Indian Police Service ;

(m) 'State Cadre' and 'Joint Cadre' have the meanings respectively assigned to them in the Cadre Rules ;

(n) 'State Government concerned', in relation to a Joint Cadre, means the Joint Cadre Authority.

3. Assignment of year of allotment :—(1) Every officer shall be assigned a year of allotment in accordance with the provisions hereinafter contained in these rules.

(2) The year of allotment of an officer in service at the commencement of these rules shall be the same as has been assigned to him or may be assigned to him by the Central Government in accordance with the rules, orders and instructions in force immediately before the commencement of these rules.

(3) The year of allotment of an officer appointed to the service after the commencement of these rules shall be as follows :—

- (i) the year of allotment of a direct recruit officer shall be the year following the year in which the competitive examination was held ;

Provided that, in the case of exempted probationers, as defined in clause (ee) of rule 2 of the I. P. S. (Probation) Rules, 1951, and direct recruit officers, who are permitted to join probationary training under sub-rule (1) of rule 5 of the IPS (Probation) Rules, 1954, with the direct recruit officers of a subsequent year of allotment, they shall be assigned that subsequent year as the year of allotment.

- (ii) The year of allotment of a promotee officer shall be determined in the following manner :—

(a) For the service rendered by him in the State Police Service upto twelve years, in the rank not below that of a Deputy Superintendent of Police or equivalent, he shall be given a weightage of four years towards fixation of the year of allotment ;

(b) He shall also be given a weightage of one year for every completed three years of service beyond the period of twelve years, referred to in sub-clause (a), subject to a maximum weightage of five years. In this calculation, fractions are to be ignored;

(c) the weightage mentioned in sub-clause (b), shall be calculated with effect from the year in which the officer is appointed to the service :

Provided that he shall not be assigned a year of allotment earlier than the year of allotment assigned to an officer senior to him in that select list or appointed to the service on the basis of an earlier Select List.

4. Inter-se seniority of the officers :—The inter-se seniority of the officers who are assigned the same year of allotment shall be in the following order and in each category the inter-se seniority shall be determined in the following manner :—

(i) direct recruit officers shall be ranked inter-se in the order of merit as determined in accordance with rule 10 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954 ;

(ii) Promotee officers shall be ranked inter-se in the order of their dates of appointment to the service :

Provided that if the date of appointment of more than one officer is the same, their inter-se seniority shall be in the order in which their names are arranged in the Select List on the dates of appointments to the Service.

5. Gradation List :—There shall be prepared every year for each State Cadre and Joint Cadre, a gradation list consisting of the names of all officers borne on that Cadre arranged in order of seniority.

6. Fixation of the seniority of officers transferred to another Cadre :—

(1) If a direct recruit officer is transferred from one cadre to another in public interest, his year of

allotment shall remain unchanged and his inter-se position among the direct recruits having the same year of allotment in the cadre to which he is transferred shall remain the same as determined in accordance with rule 10 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954.

(2) If a promotee officer is transferred from one cadre to another in public interest, his year of allotment shall remain unchanged and he shall be ranked inter-se with promotee officers having the same year of allotment in the cadre to which he is transferred with reference to the date on the basis of which he was assigned the year of allotment under these rules.

(3) If an officer is transferred from one cadre to another at his request, he shall be assigned a position in the gradation list of the cadre to which he is transferred below all the officers of his category borne on that cadre who have the same year of allotment :

Provided that in the case of a direct recruit officer transferred from one cadre to another at his request, his seniority in the list prepared under rule 10 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954 shall remain unaffected for the purpose of the said list.

7. Interpretation :—If any question arises as to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government for decision.

8. Repeal and Saving :—(1) The Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954 and all other rules corresponding to the said rules in force immediately before the commencement of these rules are hereby repealed.

(2) The seniority of the officers appointed to the service prior to the coming into force of these rules shall be determined in accordance with the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954 in force on the date of their appointment to the Service :

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

[No. 14014/40/88-AIS (I)]

D. P. BAGCHI, Jt. Secy.